## GENDER SENSITIZATION CELL (*GENSEN)*
## UNIVERSITY OF LUCKNOW

NAAC Accredited A++ Grade

**Cordially invites you to a**

**STUDENTS' SENSITIZATION PROGRAMME**

# SPACES

"I heard that not speaking on things just to keep the "peace" is actually a trauma response. When you do this, you disrespect your boundaries. No matter what, keep taking up **Space** and use your voice."

**In association with:**

**Mahendra Pal,**
**Cultural activist and theatre artist**

**1st February, 2023 (Wednesday) at 12:00 noon**

**Venue:**

**Chandra Shekhar Azad Lawn**
**(opposite Malviya Hall)**

-RSVP
GENSEN TEAM

The Gender Sensitization Cell of the University of Lucknow conducted its third event in the series named Spaces on 1 February 2023 in Chandrashekhar Azad lawns in University campus with 'Roohani' all girls band of the University and prominent cultural activist and theatre artist Mahendra Pal. Songs promoting gender equality and women empowerment like baadal pe paav hain, dil hai chota sa, Aashayen,  o ri chirayiya, were sung. The cell celebrated Noted feminist writer Kamla Bhasin songs like Tod tod ke bandhan, iraade kar buland... Students recited poetry to promote gender equality. The event was attended by over 75 students.

It may be noted that this GenSen cell was created in 2020 by Ho'ble Vice Chancellor, Prof. Alok Kumar Rai and since its inception the cell has been working towards creating Gender equality in the campus.The program named 'Spaces' started to initiate discussions of gender-based violence, harassment, and gender equality among the students of the university in their own spaces like canteens, lawns, hostels. The performance was followed by a discussion among the Gender Sensitization Cell team, the performers and the audience on personal experiences with gender based violence.

The program discussed how our society restricts women, treats the transgender community, patriarchy and its effect on boys and men, etc Spectators also shared their doubts about the definitions of gender sexuality sexism. The Convenor of the cell Prof. Roli Misra from the Department of Economics and her team member, Dr. Prashant answered the audience's questions and encouraged everyone to speak out against any form of injustice they see around them.

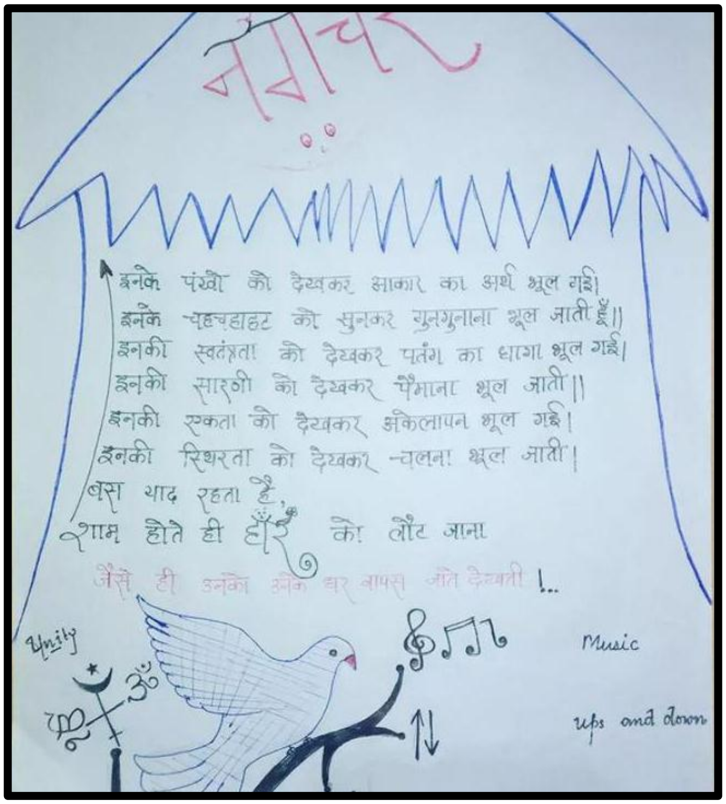


**Poem Curtsey: Utkarsh Singh Chauhan**

Haan tum ro skte ho,
Shyd social being ke zamane mei,
"Human" Being ban sakte ho,
Shyd ideal "macho" Man ke beech,
Simple, soft hearted being ban sakte,
Shyd snap streaks ki generation mei,
Nazm se panne bhar sakte ho,
Shyd cool dude n banke,
Just cute ban sakte ho,
Haan tum ro skte ho,

Expectations se hatkar, zindagi ji sakte ho,
Shyd "saucer" mei palatkar, chai bhi pee sakte ho,
Shyd, ghanton baithke asmaan mei taare chaat sakte ho,
Shyd tum bhi roo roo kar gum baat skte ho,
Shyd tumhari bhi takat haathon mei ni h,
Shyd tum mei hi kami h halaton mei ni h,
Shyd, shyd,
Sird raaton mei tumhe bhi sard lagti h,
Shyd siskiyan bhi lete ho, rooh bhi bilakhti h,
Shyd,
Tum bhi roo sakte ho,

Shyd pal dar pal tumhe chilaane k man krta h,
Shyd manly bnte bnte, thak jaane k man krta h,
Shyd strong ki definition tum dictionary mei khojte ho,
Shyd "kya mai mard ni? " Yh tum bhi sochte ho!
Shyd, shyd,
Arey baarish dekh kar bheeg jaane k man krta h,
Shyd bewajah kisi vakt, kuch bajane k ji krta h,
Shyd stereotype, k saacha tum bhi dhoondhte ho,
Shyd "MARD" Banne k raasta tum bhi khojte ho!
Shyd,
Tum bhi roo sakte,

Shyd, competition ke zamane mei,
Tum dar se jaate ho, shyd kabhi kuch batane mei,
Tum bahut hichkichate ho, shyd, suttaa phookna cool kese h? Yeh sawaal tumhare bhi zehen mei rehta h,

Shyd, competition ke zamane mei,
Tum dar se jaate ho, shyd kabhi kuch batane mei,
Tum bahut hichkichate ho, shyd, suttaa phookna cool kese h? Yeh sawaal tumhare bhi zehen mei rehta h,
Shyd, yeh meri bndi hai, aisa koi! , kese? Aur kyu kehta h? Shyd......
Shyd safar mei vjh, bewajh lagti h, shyd vjh dhoondha bhi bewajah lagta h,
Shyd kamzoor hoon mai, yh baat pata h,
Shyd pink pasand h yh meri khata h,
Shyd......
Tum roo skte hoooo

Dohri zindagi ab thakaan si lagti h,
Khudhki fitrat, seerat, aur awaaz anjaan si lagti h,
Shyd, zindagi ni yh katputli k manch h,
Shyd Samaj h raja baaki kalank h
Shyd. Shyd....
Kisi ki chahat mei, laal doore aankho mei uda skte ho,
Patang hi toh h, door kabhi bhi chadha skte ho,
Shyd likhte likhte kabhi, panne numm ho skte h,
Shyd kayede zamane ke thode kam ho sakte h,
Shyd bewajh kabhi tum muskura sakte ho,
Shyd bachpan si muskaan sa tum khilkila sakte ho,
Shyd jeee sakte ho lumhe jo sirf tumhare ho sakte h,
Shyd kr sakte ho voh sab, jo kaam #awkward lagte h shyd...
Tum roo skte hoo

## 'SPACES' नाम की श्रृंखला में तीसरे कार्यक्रम का आयोजन

February 1, 2023 8 Views

लखनऊ विश्वविद्यालय के जेंडर सेंसिटाइजेशन सेल ने 1 फरवरी 2023 को यूनिवर्सिटी कैंपस के चंद्रशेखर आजाद लॉन में 'रूहानी' ऑल गर्ल्स बैंड और प्रमुख सांस्कृतिक कार्यकर्ता और थिएटर कलाकार महेंद्र पाल के साथ 'SPACES' नाम की श्रृंखला में अपना तीसरा कार्यक्रम आयोजित किया। लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने वाले गीत जैसे बादल पे पाव है, दिल है छोटा सा, आशाएं, ओ री चिरैया, गाए गए।

प्रकोष्ठ ने प्रख्यात नारीवादी लेखिका कमला भसीन के गीतों जैसे तोड़ तोड़ के बंधन, इरादा कर बुलंद... का जश्न मनाया। छात्रों ने लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए कविता पाठ किया। कार्यक्रम में 75 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच कैंटीन, लॉन, हॉस्टल जैसे अपने स्वयं के स्थानों में लिंग आधारित हिंसा, उत्पीड़न और लैंगिक समानता की चर्चा शुरू करने के लिए 'SPACE' नाम का कार्यक्रम शुरू किया था।

इस प्रकोष्ठ का गठन माननीय कुलपति प्रोफ आलोक कुमार राय ने 2020 में किया था और तब से ये प्रकोष्ठ समय समय पर विभिन्न कार्यक्रमों द्वारा छात्र छात्रओं को लिंग समानता से जुड़े विषयों से अवगत कराता आया है। प्रदर्शन के बाद जेंडर सेंसिटाइजेशन सेल टीम, परफॉर्मर्स और दर्शकों के बीच जेंडर आधारित हिंसा के व्यक्तिगत अनुभवों पर चर्चा हुई।

## लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए लविवि कैम्पस में SPACES का तीसरा कार्यक्रम

February 1, 2023

खबर सुनने के लिए क्लिक करें

**लखनऊ विश्वविद्यालय** के जेंडर सेंसिटाइजेशन सेल ने 1 फरवरी (आज) को यूनिवर्सिटी कैंपस के चंद्रशेखर आजाद लॉन में 'रूहानी' ऑल गर्ल्स बैंड और प्रमुख सांस्कृतिक कार्यकर्ता और थिएटर कलाकार महेंद्र पाल के साथ 'SPACES' नाम की श्रृंखला में अपना तीसरा कार्यक्रम आयोजित किया। लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने वाले गीत जैसे बादल पे पाव हैं, दिल है छोटा सा, आशाएं, ओ री चिरैया, गाना गए। प्रकोष्ठ ने प्रख्यात नारीवादी लेखिका कमला भसीन के गीतों जैसे तोड़ तोड़ के बंधन, इरादा कर बुलंद... का जश्न मनाया। छात्रों ने लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए कविता पाठ किया। कार्यक्रम में 75 से अधिक छात्रों ने भाग लिया।

जी20 थीम पर फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन के तत्वाधान में योग ध्यान शिविर आयोजित

विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच कैंटीन, लॉन, हॉस्टल जैसे अपने स्वयं के स्थानों में लिंग आधारित हिंसा, उत्पीड़न और लैंगिक समानता की चर्चा शुरू करने के लिए 'SPACE' नाम का कार्यक्रम शुरू किया था। इस प्रकोष्ठ का गठन कुलपति प्रोफ आलोक कुमार राय ने 2020 में किया था और तब से ये प्रकोष्ठ समय समय पर विभिन्न कार्यक्रमों द्वारा छात्र छात्रओं को लिंग समानता से जुड़े विषयों से अवगत कराता आया है।

युवाओं के सर्वांगीण विकास और महिला सशक्तिकरण के दृष्टिगत मार्शल आर्ट शिविर का आयोजन

प्रदर्शन के बाद जेंडर सेंसिटाइजेशन सेल टीम, परफॉर्मर्स और दर्शकों के बीच जेंडर आधारित हिंसा के व्यक्तिगत अनुभवों पर चर्चा हुई। दर्शकों ने लिंग, सेक्सुअलिटी, सेक्सिज्म की परिभाषाओं के बारे में अपनी शंकाओं को भी साझा किया। प्रकोष्ठ की कन्वीनर अर्थशास्त्र विभाग की प्रो रोली मिश्रा और उनकी टीम में डॉ प्रशांत ने दर्शकों के सवालों का जवाब दिया और सभी को अपने आसपास किसी भी प्रकार के अन्याय के खिलाफ बोलने के लिए प्रोत्साहित किया।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

## स्पेस श्रृंखला के कार्यक्रम में रूहानी

स्वतंत्र भारत संवाददाता ,लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के जेंडर सेंसिटाइजेशन सेल ने बुधवार को यूनिवर्सिटी कैंपस के चंद्रशेखर आजाद लॉन में %रूहानी% ऑल गर्ल्स बैंड ने प्रमुख सांस्कृतिक कार्यकर्ता और थिएटर कलाकार महेंद्र पाल के साथ 'स्पेस' नाम की श्रृंखला में अपना तीसरा कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने वाले गीत जैसे बादल पे पाव हैं, दिल है छोटा सा, आशाएं, ओ री चिरैया गाए गए। प्रकोष्ठ ने प्रख्यात नारीवादी लेखिका कमला भसीन के गीतों जैसे तोड़ तोड़ के बंधन, इरादा कर बुलंद का भी जश्न मनाया। छात्रों ने लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए कविता पाठ किया। कार्यक्रम में 75 से अधिक

छात्रों ने प्रतिभाग लिया। विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच कैंटीन, लॉन, हॉस्टल जैसे अपने स्वयं के स्थानों में लिंग आधारित हिंसा, उत्पीड़न और लैंगिक समानता की चर्चा शुरू करने के लिए %स्पेस% नाम का कार्यक्रम की शुरुआत की थी । इस प्रकोष्ठ का गठन कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने 2020 में किया था और तब से ये प्रकोष्ठ समय समय पर विभिन्न कार्यकमों द्वारा छात्र छात्राओं को लिंग समानता से जुड़े विषयों से अवगत कराता आया है। प्रदर्शन के बाद जेंडर सेंसिटाइजेशन सेल टीम, परफॉर्मर्स और दर्शकों के बीच जेंडर आधारित हिंसा के व्यक्तिगत अनुभवों पर चर्चा हुई। दर्शकों ने लिंग, सेक्सुअलिटी, सेक्सिज्म की परिभाषाओं के बारे में अपनी

## लैंगिक समानता और महिला सशक्तीकरण को दिया गया बढ़ावा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के जेंडर सेंसिटाइजेशन सेल ने परिसर के चंद्रशेखर आजाद लॉन में रूहानी ऑल गर्ल्स बैंड और प्रमुख सांस्कृतिक कार्यकर्ता और थिएटर कलाकार महेंद्र पाल के साथ [illegible] नाम की श्रृंखला में अपना तीसरा कार्यक्रम आयोजित किया। लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने वाले गीत जैसे बादल पे पाव हैं, दिल है छोटा सा, आशाएं, ओ री चिरैया, गाए गए। प्रकोष्ठ ने नारीवादी लेखिका कमला भसीन के गीतों जैसे तोड़ तोड़ के बंधन, इरादा कर बुलंद... का जश्न मनाया। छात्रों ने लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए कविता पाठ किया। कार्यक्रम में 75 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच कैंटीन, लॉन, हॉस्टल जैसे अपने स्वयं के स्थानों में लिंग आधारित हिंसा, उत्पीड़न और लैंगिक समानता की चर्चा शुरू करने के लिए '[illegible]' नाम का कार्यक्रम शुरू किया था। इस प्रकोष्ठ का गठन माननीय कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने 2020 में किया था और तब से ये प्रकोष्ठ समय-समय पर विभिन्न कार्यक्रमों द्वारा छात्र छात्राओं को लिंग समानता से जुड़े विषयों से अवगत कराता आया है। प्रदर्शन के बाद जेंडर सेंसिटाइजेशन सेल टीम, परफॉर्मर्स और दर्शकों के बीच जेंडर आधारित हिंसा के व्यक्तिगत अनुभवों पर चर्चा हुई। दर्शकों ने लिंग, सेक्सुअलिटी, सेक्सिज्म की परिभाषाओं के बारे में अपनी शंकाओं को भी साझा किया।

# तोड़ के बंधन, इरादा कर बुलंद...

**एनबीटी, लखनऊ :** एलयू के चंद्रशेखर आजाद लॉन में बुधवार को लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस बीच मशहूर नारीवादी लेखिका कमला भसीन के 'तोड़ के बंधन, इरादा कर बुलंद...' जैसे गीतों पर प्रस्तुति देकर छात्रों ने महिला सशक्तिकरण को लेकर जागरूक किया। वहीं 'रूहानी' ऑल गर्ल्स बैंड ले बादल पे पाव हैं, दिल है छोटा सा, ओ री चिरैया जैसे गीत पर प्रस्तुतियां दीं। वहीं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की ओर से बुधवार को मार्शल आर्ट प्रशिक्षण शिविर लगाया गया। इसमें अंतरराष्ट्रीय कुंगफू ग्रैंड मास्टर ज्ञान प्रकाश त्रिपाठी ने आत्मरक्षा के आक्रमण और बचाव की छह तरह की तकनीक सिखाईं।

# लविवि में लैंगिक समानता को लेकर स्पेसेज कार्यक्रम आयोजित

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

**लखनऊ** विश्वविद्यालय के जेंडर सेंसिटाइजेशन सेल ने बुधवार को यूनिवर्सिटी कैंपस के चंद्रशेखर आजाद लॉन में रूहानी ऑल गर्ल्स बैंड और प्रमुख सांस्कृतिक कार्यकर्ता और थिएटर कलाकार महेंद्र पाल के साथ स्पेसेज नाम की श्रृंखला में अपना तीसरा कार्यक्रम आयोजित किया। लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने वाले गीत जैसे बादल पे पाव हैं, दिल है छोटा सा, आशाएं, ओ री चिरैया गाये गए।

प्रकोष्ठ ने प्रख्यात नारीवादी लेखिका कमला भसीन के गीतों जैसे तोड़ तोड़ के बंधन, इरादा कर बुलंद का जश्न मनाया। छात्रों ने लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए कविता पाठ किया। कार्यक्रम में 75 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच कैंटीन, लॉन, हॉस्टल जैसे अपने स्वयं के स्थानों में लिंग आधारित हिंसा, उत्पीड़न और लैंगिक समानता की चर्चा शुरू करने के लिए स्पेस नाम का कार्यक्रम शुरू किया था। इस प्रकोष्ठ का गठन कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने 2020 में किया था और तब से ये प्रकोष्ट समय समय पर विभिन्न कार्यकमों द्वारा छात्र छात्रओं को लिंग समानता से जुड़े विषयों से अवगत कराता आया है। प्रदर्शन के बाद जेंडर सेंसिटाइजेशन सेल टीम, परफॉर्मर्स और दर्शकों के बीच जेंडर आधारित हिंसा के व्यक्तिगत अनुभवों पर चर्चा हुई। दर्शकों ने लिंग, सेक्सुअलिटी, सेक्सिज्म की परिभाषाओं के बारे में अपनी शंकाओं को भी साझा किया। प्रकोष्ठ की कन्वीनर अर्थशास्त्र विभाग की प्रो रोली मिश्रा और उनकी टीम में डॉ प्रशांत ने दर्शकों के सवालों का जवाब दिया और सभी को अपने आसपास किसी भी प्रकार के अन्याय के खिलाफ बोलने के लिए प्रोत्साहित किया।

# Attendence (01.02.2023)

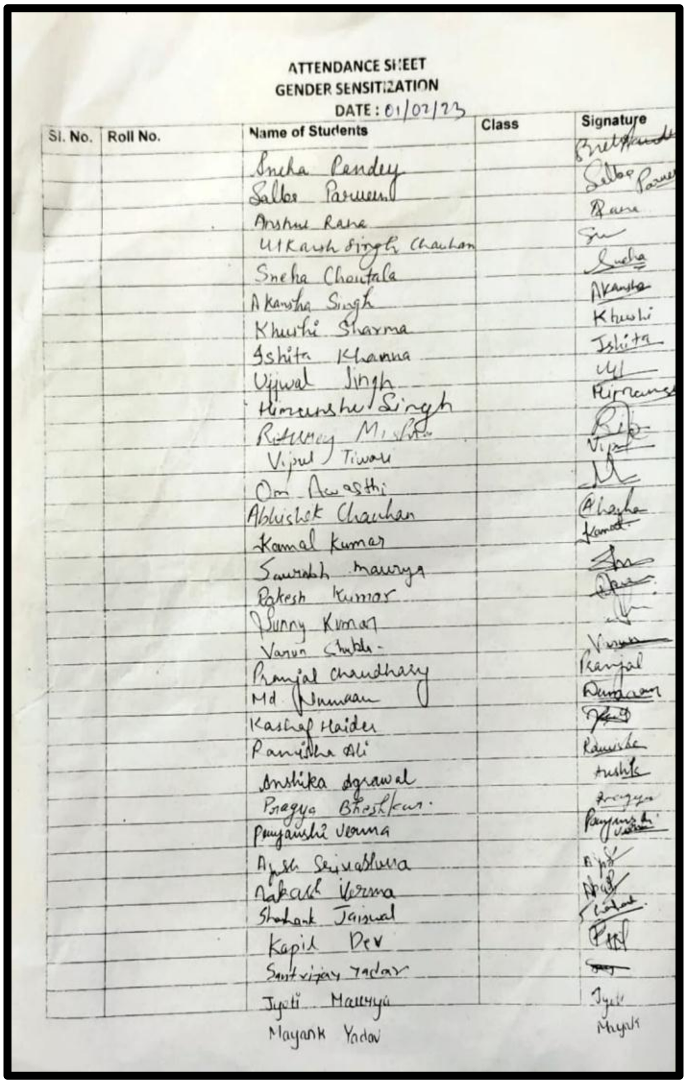

ATTENDANCE SHEET
GENDER SENSITIZATION
DATE : 01/02/23

| Sl. No. | Roll No. | Name of Students | Class | Signature |
|---|---|---|---|---|
| | | Sneha Pandey | | [illegible] |
| | | Sabbe Parveen | | Sabbe Parveen |
| | | Anshul Rana | | Rana |
| | | Utkarsh Singh Chauhan | | [illegible] |
| | | Sneha Chautala | | Sneha |
| | | Akansha Singh | | Akansha |
| | | Khushi Sharma | | Khushi |
| | | Ishita Khanna | | Ishita |
| | | Ujjwal Singh | | [illegible] |
| | | Himanshu Singh | | Himanshu |
| | | Rituraj Mishra | | [illegible] |
| | | Vipul Tiwari | | Vipul |
| | | Om Awasthi | | [illegible] |
| | | Abhishek Chauhan | | [illegible] |
| | | Kamal Kumar | | Kamal |
| | | Saurabh Maurya | | [illegible] |
| | | Rakesh Kumar | | [illegible] |
| | | Sunny Kumar | | [illegible] |
| | | Varun Shukla | | Varun |
| | | Pranjal Chaudhary | | Pranjal |
| | | Md Numaan | | Numaan |
| | | Kashaf Haider | | [illegible] |
| | | Panisha Ali | | Panisha |
| | | Anshika Agrawal | | Anshika |
| | | Pragya Bhaskar | | Pragya |
| | | Priyanshi Verma | | Priyanshi Verma |
| | | Ayush Srivastava | | [illegible] |
| | | Akash Verma | | [illegible] |
| | | Shashank Jaiswal | | [illegible] |
| | | Kapil Dev | | [illegible] |
| | | Santvijay Yadav | | [illegible] |
| | | Jyoti Maurya | | Jyoti |
| | | Mayank Yadav | | Mayank |

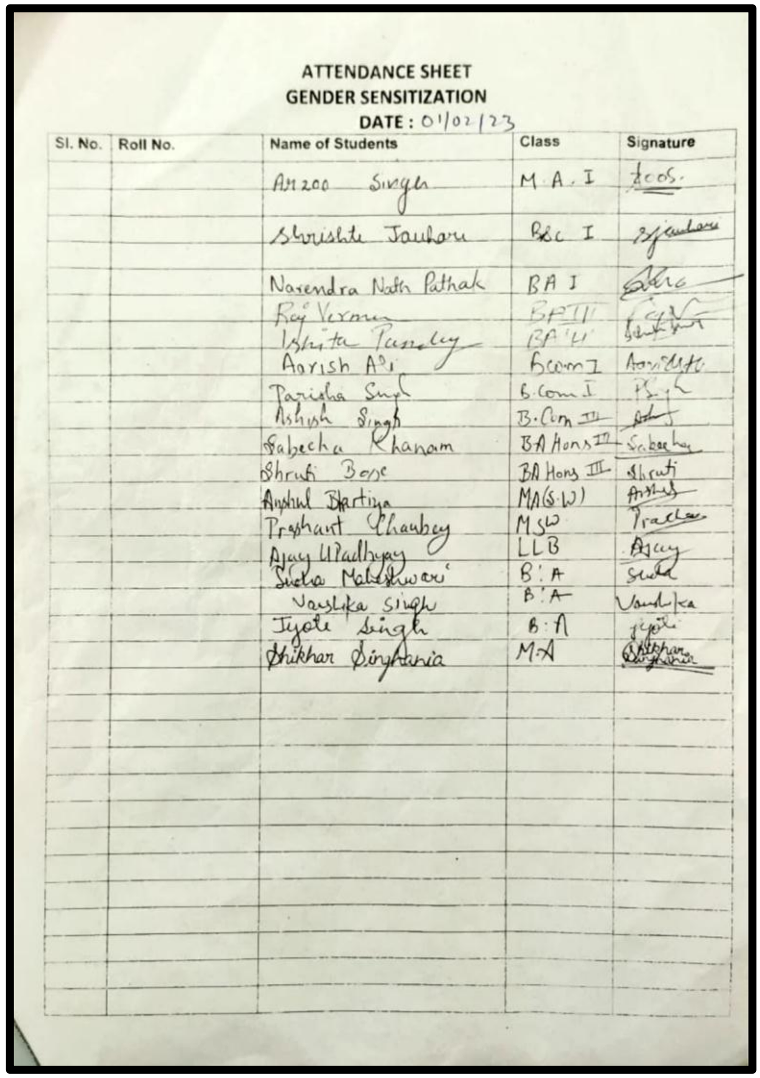

ATTENDANCE SHEET
GENDER SENSITIZATION
DATE : 01/02/23

| Sl. No. | Roll No. | Name of Students | Class | Signature |
|---|---|---|---|---|
| | | Arzoo Singh | M.A. I | Aoos. |
| | | Shrishti Jauhari | BSc I | [illegible] |
| | | Narendra Nath Pathak | BA I | [illegible] |
| | | Raj Verma | BA III | [illegible] |
| | | Ishita Pandey | BA 'H' | [illegible] |
| | | Aarish Ali | B.com I | [illegible] |
| | | Parisha Singh | B.Com I | P.Singh |
| | | Ashish Singh | B.Com III | [illegible] |
| | | Sabeeha Khanam | BA Hons III | Sabeeha |
| | | Shruti Bose | BA Hons III | Shruti |
| | | Anshul Bhartiya | MA(S.W) | Anshul |
| | | Prashant Chaubey | MSW | Prashant |
| | | Ajay Upadhyay | LLB | Ajay |
| | | Sneha Maheshwari | B.A | Sneha |
| | | Vanshika Singh | B.A | Vanshika |
| | | Jyoti Singh | B.A | Jyoti |
| | | Shikhar Singhania | M.A | Shikhar Singhania |